सितम्बर-2008

काजरी, कृषि विज्ञान केन्द्र, पाली जिले के किसानों की सेवा में

आलेख

डॉ. मोतीलाल मीणा, डॉ. पी. पी. रोहिल्ला व डॉ. बी. एल. जाँगिड

भाकृअनुप
ICAR

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

कृषि विज्ञान केन्द्र

पाली-मारवाड़ (राजस्थान) - 306 401

कृषि विज्ञान केन्द्र क्या है?

- यह एक जिला स्तरीय सरकारी संस्थान है जो कृषि सम्बंधी नवीनतम प्रौद्यौगिकी का किसानों के बीच प्रचार–प्रसार कर उन्हें इनको अपनाने के लिये प्रोत्साहित करता है, जिससे वे अपनी आय को बढाकर खेती को अधिक लाभदायक बना सकें।

यह कहाँ पर है?

- कृषि विज्ञान केन्द्र पाली, पाली शहर में पाली–जोधपुर सड़क मार्ग पर शहर से छः किलोमीटर दूर संत पॉल स्कूल के सामने केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र के परिसर में स्थित है।

यह किस विभाग के अर्न्तगत कार्य करता है?

- देश के प्रत्येक जिले में एक कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना का लक्ष्य हमारे देश में कृषि अनुसंधान, शिक्षा एवं प्रसार का कार्य करने वाली सर्वोच्च संस्था 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली' ने रखा हुआ है। राजस्थान देश का ऐसा पहला राज्य है जिसमें हर जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत है। सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों का वित्त पोषण 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली' करता है जो कि भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अर्न्तगत कार्य करती है। ज्यादातर कृषि विज्ञान केन्द्रों का संचालन राज्य के कृषि विश्वविद्यालय करते है लेकिन कुछ का संचालन कृषि अनुसंधान संस्थानों व गैर–सरकारी संस्थाओं द्वारा भी किया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र, पाली का संचालन जोधुपर स्थित केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) द्वारा किया जाता है। इसकी स्थापना सन् 1992 में की गई थी।

कृषि विज्ञान केन्द्र का क्या कार्यादेश है?

- कृषि विज्ञान केन्द्रों का संशोधित कार्यादेश निम्न प्रकार है–
- स्थान विशिष्ट टिकाऊ भूमि प्रणाली अपनाने के लिए प्रौद्योगिकियों की पहचान हेतु किसानों के ''खेत पर परीक्षण'' समय–समय पर किये जाते है।
- कृषि अनुसंधान में होने वाली प्रगति के साथ कृषि प्रसार कार्यकर्त्ताओं के ज्ञान को अद्यतन बनाने के लिये नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
- कृषकों और ग्रामीण युवकों के लिए कृषि तथा सम्बन्धित व्यवसायों में अल्प और दीर्घ अवधि के व्यवसायिक प्रशिक्षणों का आयोजन करना, जिसमें खेती से अधिक उत्पादन प्राप्त करना और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए ''करके सीखो'' कार्यप्रणाली पर अधिक ध्यान दिया जाता है।
- उत्पादन के आँकड़ों और सम्बन्धित सूचना तैयार करने के लिये विभिन्न फसलों/फल वृक्षों पर अग्रिम पंक्ति के प्रदर्शनों का आयोजन करना।

कृषि विज्ञान केन्द्र का कार्य क्षेत्र क्या है और यह कैसे कार्य करता है?

- कृषि विज्ञान केन्द्र का कार्य क्षेत्र पूरा जिला है। यह कृषि प्रसार एवं ग्रामीण विकास में लगे राज्य सरकार के विभिन्न विभागों यथा– कृषि विभाग, बागवानी विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि तकनीकी प्रबंधन अभिकरण, जिला परिषद, मृदा एवं भू–संरक्षण विभाग, सहकारिता विभाग, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, महिला एंव बाल विकास विभाग आदि के साथ समन्वय करके अपनी गतिविधियां चलाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र अपनी गतिविधियां चलाने के लिये जिले के कुछ गांवों का चयन कर उन्हें चार–पाँच वर्ष के लिये अपना लेता है या कहिये गोद ले लेता है। जिले के इन्हीं गांवों में यह अपनी गतिविधियां चलाता है। किसी गांव को अपनाने से पहले साल में उस गांव में कृषि एवं ग्रामीण विकास की वर्तमान अवस्था को जानने के लिये व गांव के निवासियों व परिस्थितियों से अवगत व परिचित होने के लिये सहभागी ग्राम्य आंकलन किया जाता है एवं इसकी रिर्पोट तैयार की जाती है जिसके आधार पर गांव में कृषि एवं विकास के लिये आवश्यक रुपरेखा तैयार कर ली जाती है और उसी के अनुसार गांव में गतिविधियां चलायी जाती है।

कृषि विज्ञान केन्द्र में सलाह एवं समस्या समाधान के लिये हमें कौन मिलेगा?

- कृषि विज्ञान केन्द्र के संगठनात्मक ढांचे में सबसे ऊपर कार्यक्रम समन्वयक होता है जो इसकी सभी गतिविधियों एवं क्रियाकलापों के लिये जिम्मेदार होता है। इनकी सहायता के लिये विभिन्न विषय विशेषज्ञों की एक टीम होती है जिनमें मुख्य है – सस्य विज्ञान

विशेषज्ञ, पशु विज्ञान विशेषज्ञ, कृषि प्रसार विशेषज्ञ, बागवानी विशेषज्ञ, गृह विज्ञान विशेषज्ञ, पौध संरक्षण विशेषज्ञ व मृदा विज्ञान विशेषज्ञ। ये सब विशेषज्ञ अपने–अपने क्षेत्र से सम्बंधित गतिविधियों का त्रैमासिक एवं वार्षिक कार्यक्रम बनाकर इसे वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में अनुमोदित करवाने के बाद उसके अनुसार कार्य करते है। आपकी खेती–बाड़ी से सम्बंधित हर तरह की समस्या का समाधान व जानकारी देने के लिये ये सभी सदैव तत्पर रहते है। इन सबकी सहायता के लिये कुछ तकनीकी अधिकारी एवं कर्मचारी भी होते है, साथ ही कार्यालयकर्मियों का दल भी होता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र की क्या गतिविधियां है?

- कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों को निम्न मुख्य भागों में बांटा जा सकता है– प्रशिक्षण, प्रदर्शन आयोजन, खेतों पर परीक्षण व प्रसार गतिविधियां।
  - **प्रशिक्षणः**
    - किनके के लिये : किसानों, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं व युवतियों एवं प्रसार कार्यकर्त्ताओं के लिये
    - कब?वैसे तो वर्ष भर लेकिन विशेष रुप से रबी एवं खरीफ ऋतु से पहले
    - किस तरह के प्रशिक्षण :

      (1) ग्राम या खेत पर प्रशिक्षण एवं

      (2) आवासीय प्रशिक्षण, केन्द्र परिसर में।

  - **प्रदर्शन आयोजनः**
    - किस तरह के :

      (अ) नवीनतम तकनीक के परिणाम प्रदर्शन

      (1) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन– मुख्य रूप से तिलहन व दलहनी फसलों के

      (2) अन्य प्रदर्शन– खाद्यान्नों व अन्य वाणिज्यिक फसलें

      (ब) विधि प्रदर्शन– विभिन्न तकनीकों को किसानों द्वारा उपयोग में लेने की विधि में उन्हें दक्ष करने के लिये
    - कहाँ पर : परिणाम प्रदर्शन– किसानों के खेत पर, विधि प्रदर्शन– खेत पर/परिसर में
    - कब?रबी एवं खरीफ फसल ऋतु में
  - **खेतों पर परीक्षणः स्थानीय स्तर की समस्या के समाधान के लिये**
    - कहाँ पर : किसानों के खेत पर
    - कब?रबी एवं खरीफ फसल ऋतु में
  - **बीज उत्पादनः जिले के किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध करवाने के लिये यहाँ विभिन्न फसलों की नवीनतम उन्नत किस्मों का सत्यापित बीज उत्पादित किया जाता है जो किसानों को बाजार भाव से उपलब्ध करवाया जाता है।**
  - **प्रसार गतिविधियाँः निम्न प्रसार गतिविधियाँ किसानों को जागरुक बनाने व प्रेरित करने व उनकी समस्या समाधान के लिये आयोजित की जाती है–**
    - किसान मेला
    - प्रक्षेत्र दिवस
    - कृषक भ्रमण
    - समूह चर्चा
    - वैज्ञानिक–किसान गोष्ठी
    - प्रदर्शनी आयोजन
    - पूर्व प्रशिक्षणार्थियों की बैठक
    - उन्नत कृषि तकनीकों के चलचित्रों का टी.वी. कार्यक्रम

- कृषि साहित्य प्रकाशन
- समस्या–समाधान भ्रमण
- किसान स्वयं सहायता समूह का गठन
- तकनीकी हस्तांतरण क्लब का गठन, इत्यादि

कृषि विज्ञान केन्द्र पर किसानों के लिये क्या सुविधाएं है?

- कृषि विज्ञान केन्द्र में किसानों को खेती–बाड़ी से सम्बंधित हर तरह की जानकारी व साहित्य निःशुल्क उपलब्ध करवाया जाता है। किसानों, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं व युवतियों एवं प्रसार कार्यकर्त्ताओं के आवासीय प्रशिक्षण के लिये केन्द्र में बहुत ही भव्य व विभिन्न श्रव्य–दृष्य माध्यमों की सुविधा से सुसज्जित प्रशिक्षण भवन बना हुआ है। आवासीय प्रक्षिण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को ठहराने के लिये 20 बिस्तरों की सुसज्जित आवास की सुविधा उपलब्ध हैं। इस आवास में बिजली–पानी व नहाने–धोने के लिये स्नानागार व शौचालय की भी सुविधा है। प्रशिक्षण के दौरान चाय–नास्ता एवं स्वादिष्ट खाना उपलब्ध करवाने के लिये रसोईघर बना हुआ है और रसोईये की नियुक्ति भी की हुई है।

कृषि विज्ञान केन्द्र से कैसे सम्पर्क करें व वहां कैसे पहुँचे?

- कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क करने के लिये आप यहाँ पर फोन कर सकते है, फोन नम्बर है 02932–256771, इसके अलावा आप काजरी के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र के फोन पर भी सम्पर्क कर सकते है जिसके नंबर 02932–256098 है। आप जानकारी के लिये पत्र भी लिख सकते है, पत्र व्यवहार का पता – कार्यक्रम अधिकारी, काजरी, कृषि विज्ञान केन्द्र, पोस्ट बॉक्स संख्या–30, पाली–मारवाड़, पिनकोड 306 401 है। यहाँ पर आने–जाने के लिये पाली शहर से घुमटी तक चलने वाले टेम्पों की सुविधा उपलब्ध है।

कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों का फायदा कैसे उठायें?

- कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न गतिविधियों में आप भी भाग लेकर इनका फायदा उठा सकते है। इसके लिये आपको केन्द्र में कार्यरत विषय विशेषज्ञों से निरंतर सम्पर्क में रहना पड़ेगा जिससे की इसकी गतिविधियों की जानकारी से आप निरंतर अवगत रह सकें। आप वैज्ञानिक सलहाकार समिति की बैठक में भाग लेकर केन्द्र की गतिविधियों को और भी बेहतर बनाने के लिये अपने सुझाव दे सकते है।

प्रकाशक : निदेशक, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

Evergreen 0291-2434647